

विश्वविद्यालय कानपुर



प्रौद्योगिकी-स्नातक
(रसायनिक अभियान्त्रिकी)

प्रमाणित किया जाता है कि

विश्वम्भर दयाल ने इस

(दुकोई वरर धनलनननन एनरररर, कनरु)

विश्वविद्यालय से १९६० की परीक्षा में
प्रौद्योगिकी-स्नातक (रसायनिक अभियान्त्रिकी) की
उपाधि द्वितीय श्रेणी में प्राप्त की।

६-१९

कुलसचिव

कुलपति

कानपुर विश्वविद्यालय :

२१ दिसम्बर, १९६०